http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 09

प्रयागराज सोमवार 23 सितम्बर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

नरवाना में सीएम योगी का कांग्रेस पर प्रहारः बोले...

ये किसानों को खुशहाल नहीं कर सकते, इनको वोट के लायक मत बनाओ

नरवाना,(एजेंसी)। हरियाणा के जींद के नरवाना में पहुंचे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न तो किसानों को खुश कर सकती है और न ही व्यापारियों का भला कर सकती है। वे पूछना चाहते हैं कि क्या कांग्रेस जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटा सकती थी। मोदी ने आतंकवाद की ताबूत में कील ठोंकी है। अब जो छुटपुट घटनाएं हो रही हैं, वे उसी प्रकार की हैं, जैसे दीपक बुझते समय ज्यादा टिमटिमाता है। योगी आदित्यनाथ भाजपा प्रत्याशी कृष्ण बेदी के लिए भाजपा की नरवाना की नई अनाज मंडी में आयोजित विजय संकल्प रैली में पहुंचे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेसी देश को सुरक्षा नहीं दे सकते, आतंकवाद, नक्सलवाद से नहीं लड़ सकते। जब ये किसाल के लायक ही नहीं हैं तो इनको वोट के लायक भी नहीं बनाओ। वो यहां यही अपील करने के लिए आए हैं कि प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाएं।उन्होंने कहा कि 10 सालों में हरियाणा सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर व मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नेतृत्व में बिना भेदभाव जो विकास कार्य करवाए हैं उन विकास कार्यों से किसान, मजदूर, युवा, व्यापारी व महिलाओं का उत्थान हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले 12 15 वर्ष तक अमृतकाल महोत्सव भारत को विकसित देश के रूप में स्थापित करेगा। इसलिए हमें अपने जाति, मजहब से ऊपर उठकर अपने देश के लिए सोचना पड़ेगा। योगी आदित्यनाथ ने लोगों से आह्वान किया कि आप सब आप के वर्तमान और भविष्य को उज्जवल बनाने में योगदान दें। भारतीय जनता पार्टी को वोट दें। भाजपा ने एक कर्मठ और योग्य नेता को आपके बीच उतारा है। नरवाना से भाजपा के प्रत्याशी कृष्ण बेदी को चुनाव जिताएं। प्रदेश में भाजपा ने विकास की गति को तेज किया है। आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद 75 साल तक कांग्रेस ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए समाजों को आपस में भिवानी का काम किया है।

बाइडेन ने यूएसएससी में भारत की परमानेंट सीट का समर्थन किया, पीएम बोले...

हम किसी के खिलाफ नहीं

- **पीएम मोदी बोले– भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शांति के पक्षधर, हिंद–प्रशांत पर भी हुई बात**
- **मोदी के कंधे पर हाथ रखकर बाइडेन बोले–क्वाड बना रहेगा**
- **अमेरिका–भारत के बीच 'मेगा डील', ड्रोन से लेकर सेमीकंडक्टर तक इन क्षेत्रों में बनी सहमति**

न्यूयॉर्क,(एजेंसी)। पीएम मोदी और जो बाइडन के बीच हुई बातचीत में दोनों देशों ने कई क्षेत्रों में एक दूसरे का सहयोग करने पर सहमति जताई है। भारत ने अमेरिका के बीच 31 गार्जियन ड्रोन खरीद और कोलकाता में एक सेमीकंडक्टर प्लांट भी स्थापित करने पर करार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ''बेहद सार्थक'' बैठक की और इस दौरान दोनों नेताओं ने आपसी हितों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही हिंद–प्रशांत क्षेत्र सहित वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया। राष्ट्रपति बाइडन ने शनिवार को डेलावेयर के ग्रीनविले स्थित अपने आवास पर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। दोनों देशों के बीच हुई इस द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। जानें भारत और अमेरिका के बीच कौन–कौन सी डील हुई हैं। ड्रोन और लड़ाकू विमान को लेकर बड़ी डील भारत अमेरिका के बीच ड्रोन और लड़ाकू विमान की खरीद को लेकर एक बडा करार हुआ है। भारत अमेरिका से 31 जनरल एटॉमिक्स एमक्यू–9बी (16 स्काई गार्डियन और 15 सी गार्डियन) ड्रोन की खरीदने जा रहा है। अमेरिका ने फरवरी में भारतीय सेना को 3.99 अरब डॉलर की अनुमानित कीमत पर 31 एमक्यू–9बी ड्रोन की बिक्री को मंजूरी दी थी। इन 31 ड्रोन में से, भारतीय नौसेना को 15 सी गार्डियन ड्रोन, भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना को आठ स्काई गार्जियन ड्रोन मिलेंगे। ये ड्रोन भारत के सशस्त्र बलों की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को एक नए स्तर पर ले जाएंगे।

बाढ़ की स्थिति पर ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को फिर लिखी चिट्ठी

कोलकाता,(एजेंसी)। ममता बनर्जी इससे पहले भी पीएम मोदी को चिट्ठी लिख चुकी हैं। 20 सितंबर को लिखी गई चिट्ठी का जवाब देते हुए जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि राज्य सरकारों को बताकर ही डीवीसी के बैरेज से पानी छोड़ा जाता है। पश्चिम बंगाल के दक्षिणी क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने चिट्ठी में बताया कि डीवीसी से पानी छोड़ने का फैसला एकतरफा लिया गया है। दरअसल, दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के बैरेज से पानी छोड़े जाने के कारण दक्षिणी बंगाल में बाढ़ आ गई।

मौजूदा हालात को देखते हुए गुरुवार को सीएम ममता बनर्जी की सरकार ने बंगाल–झारखंड सीमा पर बैरिकेडिंग कर मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। हालांकि, 24 घंटों के बाद ही अंतरराज्यीय व्यापार के लिए सीमा को एक बार फिर से खोल दिया गया था। ममता बनर्जी ने बाढ़ पर चिंता व्यक्त करते हुए पीएम मोदी को पहले भी चिट्ठी लिख चुकी हैं। ममता बनर्जी ने अपनी चिट्ठी में कहा, ष्जल शक्ति मंत्रालय ने कहा था कि डीवीसी के बैरेज से पानी छोड़ने का निर्णय दामोदर घाटी जलाशय विनियमन निगम समिति की सहमति से लिया गया था, जिसमें राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। इससे मैं पूरी तरह से असहमत हूं। सभी निर्णय केंद्रीय जल आयोग और जलशक्ति मंत्रालय की तरफ से एकतरफा लिया गया है।

फारूक पाक से बातचीत चाहते हैं: शाह

> *30 साल तक जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद चला। 3 हजार दिन कर्फ्यू रहा। 40 हजार लोग मारे गए। जब कश्मीर जल रहा था, तब फारूक साहब लंदन में छुट्टियां मना रहे थे।*
>
> **अमित शाह**
> **गृह मंत्री**

- **आतंकवाद खत्म होने तक ऐसा नहीं होगाय अब्दुल्ला का जवाब– चीन से तो बात कर रहे हैं**
- **नौशेरा में अमित शाह बोले– कांग्रेस ने जम्मू–कश्मीर का अधिकार छीना, आतंक को पाताल में दफन करेंगे**

जम्मू,(एजेंसी)। कांग्रेस–नेकां गठबंधन पर हमला बोलते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज जम्मू कश्मीर में हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा है, लेकिन कांग्रेस, नेकां वाले कहते हैं कि हम शेख अब्दुल्ला वाला ध्वज वापस लाना चाहते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव अभियान को मजबूती प्रदान करने के लिए रविवार को नौशेरा पहुंचे। यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आतंक को पाताल में दफन करेंगे। कांग्रेस ने जम्मू–कश्मीर का अधिकार को छीना है। अगर गोली चली तो जवाब गोले से देंगे। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) पर हमला बोलते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जब पहाड़ियों को आरक्षण दिया गया, तो फारूक अब्दुल्ला ने यहां के गुर्जर भाइयों को उकसाना शुरू किया कि आपका आरक्षण चला जाएगा। मैंने राजौरी में वादा किया था कि गुर्जर बकरवाल का आरक्षण एक प्रतिशत भी कम नहीं होगा और पहाड़ी भाई–बहनों को आरक्षण मिलेगा और हमने अपना वो वादा निभाया। गृहमंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस, नेकां ने कहा है कि पहाड़ियों, गुर्जर बकरवाल, दलित, वाल्मीकि, ओबीसी समुदाय को जो आरक्षण दिया गया, हम उस पर पुनरू विचार करेंगे। राहुल गांधी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि अब इनका विकास हो चुका है, अब इन्हें आरक्षण की जरूरत नहीं है। राहुल बाबा, हम आपको आरक्षण हटाने नहीं देंगे। कांग्रेस–नेकां गठबंधन पर जमकर बोला हमला कांग्रेस–नेकां गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि आज जम्मू कश्मीर में हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा है, लेकिन कांग्रेस, नेकां वाले कहते हैं कि हम शेख अब्दुल्ला वाला ध्वज वापस लाना चाहते हैं। फारूक साहब, जितना जोर लगाना है लगा लो, लेकिन अब कश्मीर में सिर्फ हमारा प्यारा तिरंगा ही लहराएगा।आतंकवाद को हम पाताल में दफ्न करेंगे। आज जम्मू–कश्मीर में शान से तिरंगा लहराया जा रहा है। वो लोग शेख अब्दुल्ला का झंडा वापस लाना चाहते हैं। जम्मू–कश्मीर में केवल हमारा तिरंगा लहराएगा। वे चाहते हैं कि हम पाकिस्तान से बातचीत करें। हम आतंकवाद खत्म होने तक पाकिस्तान से बातचीत के पक्ष में नहीं हैं। वे आतंकवादियों को जेलों से रिहा करना चाहते हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार ने आतंकवाद को बहुत गहराई में दफ्ना दिया है। कोई भी आतंकवादी या पत्थरबाज जेल से रिहा नहीं होगा।

पूर्व राज्यपाल मलिक महाराष्ट्र में बीजेपी की बढ़ाएंगे चिंता

मुंबई,(एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि वह एमवीए को पूर्ण समर्थन देंगे। वह उसके लिए प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे भाजपा के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम करेंगे। महाराष्ट्र में राज्य विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले सियासी माहौल गरमाने लगा है। महायुति और महा विकास अघाडी एक दूसरे को टक्कर देने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इस बीच, जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की टेंशन बढ़ा सकते हैं। मलिक ने दावा किया कि वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के लिए प्रचार करेंगे। इस चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा का सफाया हो जाएगा। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने में अहम भूमिका निभाने वाले सत्यपाल मलिक मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कौन किस गठबंधन में? महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए नवंबर में चुनाव होना है। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शामिल है। वहीं, विपक्षी एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार नीत एनसीपी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं।

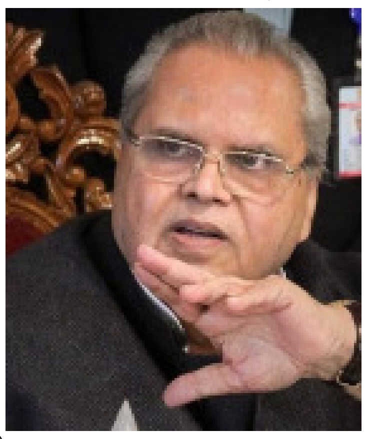

'मोदी ने हमें जेल भेजने के लिए रचा षड्यंत्र'

- **जनता की अदालत में पहुंचे अरविंद केजरीवाल, बोले– मेरे खिलाफ षड्यंत्र रचा गया, मैं गलत करने नहीं आया**

> *मुझे सीएम पद की सत्ता की भूख नहीं है। मैं पैसे कमाने नहीं आया था। 10 साल में 10 बंगले, 10 प्लॉट हो जाते लेकिन मैंने कुछ नहीं कमाया। देश के लिए आए थे, देश की राजनीति बदलने आए थे।*
>
> **अरविंद केजरीवाल**
> **पूर्व CM दिल्ली**

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जनता की अदालत में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी बात रखी। केजरीवाल ने इस्तीफा देते हुए कहा था कि वो जनता की अदालत में जाएंगे। केजरीवाल ने कहा था कि वे सीएम की कुर्सी पर तभी बैठेंगे जब जनता उन्हें ईमानदारी का प्रमाणपत्र देगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद आज अरविंद केजरीवाल जंतर–मंतर पर जनता की अदालत में पहुंचे हैं। अरविंद केजरीवाल जनता की अदालत को संबोधित किया। जनता की अदालत में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी बात रखी। केजरीवाल ने इस्तीफा देते हुए कहा था कि वो जनता की अदालत में जाएंगे। केजरीवाल ने कहा था कि वे सीएम की कुर्सी पर तभी बैठेंगे जब जनता उन्हें ईमानदारी का प्रमाणपत्र देगी। जनता की अदालत में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिश, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज, संगठन मंत्री संदीप पाठक, विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़ला, मनीष सिसोदिया, विधायक दुर्गेश पाठक, दिलीप पांडे भी पहुंचे हैं। जनता को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने अपनी जिंदगी में केवल इज्जत कमाई है। आज जब मैंने इस्तीफा दिया है, कुछ दिन में मैं मुख्यमंत्री आवास खाली कर दूंगा, आज दिल्ली में मेरे पास रहने के लिए घर भी नहीं है। मैंने दस साल में केवल आपका आशीर्वाद कमाया है। मैंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मैं भ्रष्टाचार करने नहीं आया था, मुझे सत्ता का लालच, सीएम की कुर्सी की भूख नहीं है, मैं पैसे कमाने नहीं आया, पैसे कमाने होते तो मैं इनकम टैक्स की नौकरी करता था, उसमें करोड़ो रुपए कमा लेता बल्कि हम तो देश के लिए आए थे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरे खिलाफ षड्यंत्र रचा गया। मेरे नेताओं को जेल भेजा गया। मैं देश बदलने के लिए आया हूं, मैं कुछ गलत करने नहीं आया। हमें चुनौती दी गई। चुनाव लड़ लो। 2013 में ईमानदारी से चुनाव लड़े।

लोग कह रहे थे। उनकी जमानत जब्त होगी। लेकिन पहली बार में ही सरकार बना दी। सरकार बनने के बाद दिल्ली में बिजली, पानी, बस यात्रा फ्री, बच्चों की शिक्ष सब को फ्री कर दिया।

गोयल सिंगापुर में निवेशकों से मिले, भारत में व्यवसाय के अवसरों पर चर्चा की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर में कुछ चुनिंदा उद्यमियों और निवेशकों के साथ अलग–अलग बैठक की और भारत में निवेश के अवसरों और इन कंपनियों की भारत के संबंध में संभावित योजनाओं की चर्चा की। श्री गोयल लाओ की दो दिन की यात्रा से लौटते हुए सिंगापुर रुके थे। लाओ में उन्होंने आसियान और पूर्वी एशियाई देशों के मंत्रियों की बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सिंगापुर में वह बुनियादी ढांचा क्षेत्र में काम करने वाली वैश्विक फॉर्म सुरबाना जुरोंग के ग्रुप सीईओ सीन चियाओ और निवेश फॉर्म पिकएक्सवी पार्टनर्स के शैलेंद्र सिंह और रोहित अग्रवाल के साथ बातचीत की। सिंगापुर में अपनी इन बैठकों के बारे में श्री गोयल ने सोशल मीडिया पर रविवार को अलग–अलग ट्वीट में कहा, श्सुरबाना जुरोंग के ग्रुप सीईओ श्री सीन चियाओ से मुलाकात हुई। हमने भारत के तेजी से विकसित हो रहे शहरी और औद्योगिक बुनियादी ढांचे क्षेत्र के लिए कंपनी की योजनाओं पर सार्थक चर्चा की। भारत वैश्विक स्तर पर अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे को आकार देने में सुरबाना जुरोंग के साथ निकटता से सहयोग करने के लिए तत्पर है।श उन्होंने एक अलग पोस्ट में कहा, श्एक अग्रणी उद्यम पूंजी और विकास निवेश फर्म पीक एक्सवी पार्टनर्स के एमडी श्री शैलेन्द्र सिंह और श्री रोहित अग्रवाल के साथ बैठक की। श्री गोयल सिंगापुर स्थित असबाबवाला फर्नीचर निर्माण कंपनी एचटीएल इंटरनेशनल की सीईओ फुआ मेई मिंग के साथ भी बैठक की। वाणिज्य मंत्री ने बताया कि इस बैठक में भारत के विनिर्माण क्षेत्र और विशाल खुदरा बाजार में विकास की अपार संभावनाओं के साथ कंपनी की विस्तार योजनाओं में भारत की भूमिका पर विचार–विमर्श किया गया। भारत के संपन्न स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के सरकार के प्रयासों पर चर्चा की।

साथ ही हरित निवेश और एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में संभावित अवसरों का पता लगाया।

कानपुर में फिर ट्रेन डीरेल करने का प्रयास

- **ट्रैक पर रखा था सिलेंडर, लोको पायलट व सहायक की सर्तकता से टला हादसा**

कानपुर,(एजेंसी)। कालिंदी एक्सप्रेस को पलटने की साजिश नाकाम तो हुई थी लेकिन अभी तक घटना की जांच जारी है। वरिष्ठ रेल अधिकारी जहां एक ओर रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे थे वहीं दूसरी ओर रविवार तड़के कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही मालगाड़ी जैसे ही प्रेमपुर रेलवे स्टेशन की लोको लाइन पर पहुंची वैसे ही रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर देख लोको पायलट के होश उड़ गए। आनन फानन लोको पायलट सीबी सिंह और देव आनंद गुप्ता ने बड़ी ही सूझबूझ के साथ इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन रुकते ही लोको पायलट ने घटना की जानकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया और कानपुर सेंट्रल समेत अन्य स्टेशनों के अफसर तथा पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि रेलवे ट्रैक पर 5 किलो का खाली सिलेंडर रखा हुआ था। अराजक तत्वों की इस हरकत को विभाग ने गंभीरता से लिया है, उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल तथा जीआरपी के साथ–साथ स्थानीय पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि घटना का खुलासा अति शीघ्र किया जाए इसके साथ ही आरपीएफ के जवानों को भी निर्देशित किया की रेलवे ट्रैक की मॉनिटरिंग शुरू की जाए ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो सके। मेन लाइन में होता तो हो सकता था बड़ा हादसा मालगाड़ी को पटरी से उतरने की साजिश ट्रेन के लोको पायलट ने नाकाम तो कर दी लेकिन यह घटना अगर दिल्ली हावड़ा रेलवे लाइन के मुख्य ट्रैक पर होती तो बड़ा रेल हादसा हो सकता था। जानकारों की माने तो दिल्ली हावड़ा रूट अति व्यस्त रूट है इसलिए इस रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन तेज गति से किया जाता है लेकिन ट्रेन को लूप लाइन पर लिया जा रहा था जिसके चलते ट्रेन की गति काफी धीमी थी। इसलिए समय रहते ट्रेन के लोको पायलट को रेलवे ट्रैक को सिलेंडर दिखाई दिया और समय रहते हैं इमरजेंसी ब्रेक लगाकर उन्होंने ट्रेन को रोक दिया। कानपुर पूर्व के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि लोको पायलट ने रेलवे अधिकारियों को सतर्क किया, जिन्होंने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कानपुर पुलिस को सूचना दी और मामले की जांच शुरू की गयी।

डीसीपी ने बताया कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने पांच किलोग्राम वजन का एलपीजी सिलेंडर देखा, जिसके बाद आपातकालीन ब्रेक लगाकर कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही मालगाड़ी को रोक दिया गया।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति

जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के उपरांत एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का उत्साह बताता है कि लोगों की लोकतंत्र में गहरी आस्था बरकरार है। पहले चरण में 24 सीटों के लिये हुए शांतिपूर्ण मतदान ने उम्मीद जगायी है कि शेष चरणों में भी यह उत्साह कायम रहेगा। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की शृंखला ने शांतिपूर्ण मतदान को लेकर संशय पैदा कर दिया था। लेकिन चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन व नेताओं द्वारा जनता को जागरूक करने का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निष्कर्षतरू कहा जा सकता है कुछ शिकवे–शिकायतों के बावजूद कश्मीर का जनमानस शांति व लोकतंत्र में विश्वास रखता है। बहुत सालों बाद कश्मीर में मतदाताओं की लंबी–लंबी कतारें दिखाई दी। ऐसा ही उत्साह हालिया लोकसभा चुनाव में दिखा था जब पिछले साढ़े तीन दशकों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा था। इस बार का साठ फीसदी मतदान इसी कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इन चुनावों को ऐतिहासिक कहा जा सकता है। साथ ही यह उन विदेशी ताकतों को करारा जवाब है जो कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण अपने निहित स्वार्थों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल, साबित हुआ कि देश के अन्य भागों की तरह ही कश्मीर के लोग भी शांति व सुशासन चाहते हैं। वे भी महंगाई व बेरोजगारी से निजात चाहते हैं। इस चुनाव में उन्होंने अलगाववादियों को दरकिनार करके मतदान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बावजूद अनुच्छेद 370 हटाने व राज्य का दर्जा खत्म किये जाने के मुद्दे से बहुत लोग सहमत नहीं थे। कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने को लेकर भी लोगों की राय में विभाजन देखा गया है। कतिपय राजनीतिक दलों के साथ ही कुछ लोगों ने अनुच्छेद 370 की वापसी व राज्यत्व बहाली के मुद्दे को तरजीह दी। बहरहाल, कुछ मुद्दों पर असंतोष के बावजूद लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की है। विचारों में यह असहमति लोकतंत्र की खूबसूरती भी है। बहरहाल, राजनीतिक दल विशेष के एजेंडे के इतर हमें स्वीकार करना चाहिए कि भारत एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न धर्मों व संस्कृतियों के लोगों की हिस्सेदारी रही है। किसी राज्य का विशेष स्वरूप देश–काल व परिस्थितियों के अनुरूप भी तय किया जाता रहा है। वो समय की जरूरत रही है। शेष देश को किसी भी राज्य के धार्मिक, सांस्कृतिक व विशिष्ट स्वरूप का सम्मान करना चाहिए। बहुत संभव है किसी क्षेत्र विशेष की सोच का साम्य शेष देश के मिजाज व जरूरतों से भिन्न हो। लेकिन यही विविधता किसी लोकतंत्र की खूबसूरती है और उसका सम्मान किया भी जाना चाहिए। हमें नहीं भूलना चाहिए कि घाटी के लोगों की आकांक्षाओं की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में गहरी आस्था मजबूत हुई है। वहीं ध्यान रखना चाहिए कि भविष्य में बहुसंख्यक कश्मीरी समुदायों के हितों के साथ अल्पसंख्यक कश्मीरी ब्राह्मणों के हितों का संरक्षण भी किया जाए। जिन्हें कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा प्रमुख मुद्दा बनाये जाने के बाद भी न्याय नहीं मिला। उम्मीद करें कि विधानसभा चुनाव के बाद जब राज्य में चुनी हुई सरकार अस्तित्व में आए तो राज्य का दर्जा वापसी के बाद रोजगार व विकास के मुद्दों को प्राथमिकता मिले। इस संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में शांति देश के हित में है। जिसके लिये केंद्र से पर्याप्त सहयोग अपेक्षित है। निस्संदेह, राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हितों को दलीय हितों से ऊपर रखना चाहिए। चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं की लंबी–लंबी कतारें बताती हैं कि राज्य के लोग शांति व लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्ष में हैं। यह सुखद ही है कि ये चुनाव राज्य में चुनाव बहिष्कार की धमकियों व चेतावनियों से मुक्त शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं। मतदाताओं ने ऐसी किसी भी आवाज को तरजीह नहीं दी है। उम्मीद करें कि ये चुनाव आतंकवाद के खात्मे के लिये निर्णायक जनादेश लेकर आएं। ताकि राज्य कालांतर अलगाववादी सोच का खात्मा करने में सहायक साबित हो सके। एक बार फिर साबित हुआ है कि लोकतंत्र जनता की सक्रिय भागीदारी से ही महकता है। निश्चित रूप से कश्मीर के लोगों की यह जागरूकता राज्य में विकास की आधारभूमि को मजबूत करेगी।

सेबी अध्यक्ष को पद छोड़ने के लिए कहना चाहिए

जगदीश रत्तनानी

सेबी की अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच पर आई विपत्ति को समाप्त करने का समय आ गया है। अगर उन्होंने पहले ही अपना इस्तीफा नहीं भेजा है तो समय आ चुका है कि उन्हें सेबी छोड़ने के लिए कह दिया जाए। वास्तव में यह उनके हित में है कि वे पद छोड़ दें और निष्पक्ष जांच का सामना करें, बजाय इसके कि एक महत्वपूर्ण नियामक संस्थान के शीर्ष पर बैठे रह कर खुद को और संस्था को उस तरह से कमजोर होते देखें जितना कमजोर सेबी पहले कभी नहीं रहा है। कुछ ऐसे लोग भी हैं जो उनके आचरण का बचाव कर रहे हैं और आरोपों को राजनीति या निहित स्वार्थों का खेल कह रहे हैं लेकिन वे केवल आधे–अधूरे मन से कह रहे हैं, किंतु मामला इस कदर उजागर हो गया है कि अब इसका किसी प्रकार बचाव करना संभव नहीं हो पाएगा।हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं जिसने सेबी की वह विश्वास और नैतिक प्रतिष्ठा छीन ली है जो उसके कार्य करने और यहां तक कि सबसे बुनियादी विनियामक कार्यों को पूरा करने के लिए जरूरी है। सेबी अधि ानियम, 1992 की प्रस्तावना में इसका चार्टर निर्धारित किया गया हैरू ... प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना एवं प्रतिभूति बाजार के विकास को बढ़ावा देना और विनियमित करना तथा उससे संबंधि ात या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए नियामक व्यवस्था बनानाश। मौजूदा परिस्थितियों में यह सेबी से परे का कार्य है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि सेबी के अध्यक्ष ने सेबी को घुटनों पर ला दिया है। यह अप्रासंगिक है कि क्या उनके खिलाफ आरोप साबित होंगे और अंततरू वे दोषी पाई जाएंगी या नहीं। पहले से ही ऐसे पर्याप्त सबूत है जो ऐसे सवाल उठाते हैं जिन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकेगा। सेबी में आंतरिक विद्रोह से बाहरी दबाव बढ़ रहा है जिसे गंभीरता से लेने के बजाय खेदजनक

और हास्यास्पद स्पष्टीकरण के साथ उसका मुकाबला किया जा रहा है। यह एक कथित विषाक्त संस्कृति की ओर इशारा करता है। सेबी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह बताया जाना कि सेबी के श्रेणी क के अधिकारियों को बाहरी तत्वों द्वारा गुमराह किया गया था, सेबी के संपूर्ण कार्यबल का अपमान करना है।अधि ाकारी निश्चित रूप से जानते हैं कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। भारतीय प्रणाली कैसे काम करती है इस बात की जानकारी जिन लोगों को है, वे जानते हैं कि शक्तिशाली के खिलाफ बोलने के लिए एकजुट होने के लिए बहुत साहस और चरित्र बल और दृढ़ संकल्पित होने की आवश्यकता होती है। अडानी से संबंधित फंडों और हिंडनबर्ग के आरोपों में उलझी होने के बावजूद सुश्री बुच अछूती हैं क्योंकि वे सत्ताधीशों की करीबी मानी जाती हैं। अधिकारी ऐसे व्यक्ति का विरोध करने में कामयाब रहे हैं तो यह केवल सड़ांध की सीमा का संकेतक है जिसने असहनीय होने के कारण टारगेटेड होने के खतरे के बाद भी अधिकारियों को बोलने के लिए मजबूर किया है। सार्वजनिक क्षेत्र में पदानुक्रमित, शीर्ष–चालित, बॉस की जी हुजूरी करने की संस्कृति में विरोध दुर्लभ है और निजी क्षेत्र में असंतोष जाहिर करना आत्मघातक होता है, लेकिन सेबी एक हाइब्रिड की तरह लगता है जिसने कार्यस्थल पर दोनों तरह की सबसे खराब स्थिति सामने लाई है। राजनीतिक नजरिये से देखें तो यह महत्वपूर्ण है कि भाजपा सुश्री बुच का बचाव करना बंद कर दे और मामले की पूरी जांच के लिए तैयार हो। भाजपा के राजनीतिक रणनीतिकार यह पाएंगे कि हर गुजरते दिन के साथ बुच को पद पर बनाए रखने की राजनीतिक कीमत बढ़ती जा रही है। हालांकि यह एक बहुत छोटा सवाल है कि भाजपा अपनी छवि को खराब कर रही है तथा अपने संकटों का प्रबंधन कर रही है और खुद के द्वारा खड़े किए गए क्रोनिज्म की सड़ांध से नतीजों का जवाब दे रही है। बड़ा सवाल यह है कि आज भारत कहां खड़ा है और इस तरह के नेतृत्व में प्रमुख संस्थानों को कैसे कमजोर किया जा रहा है। यह निर्विवाद है कि राजनीतिक कवर के बिना सुश्री बुच कथित तौर पर इस तरह से काम नहीं कर सकती थीं। यह वही राजनीतिक कवर है जो कुछ प्रमुख पदों पर लोगों की शक्ति को, उनके प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाता है तथा जो साहसिक, अत्यधिक उत्साही और समर्पित होते हैं एवं उनकी अहंकार की भावना को बढ़ावा देता है जिसे हम अंततरू देखते हैं कि हर बार कभी न कभी ढह जाता है। आखिर सेबी के सर्वशक्तिशाली अध्यक्ष पर कौन प्रश्न उठा सकता है? पांच साल पहले यह सवाल थारू आईसीआईसीआई बैंक के शक्तिशाली चेयरपर्सन से कौन सवाल पूछ सकता है? चंदा कोचर ने तब तक पद छोड़ने से इनकार कर दिया था जब तक बैंक कोई और कारण बता कर उन्हें रोक नहीं सकता था और अंततरू न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण समिति द्वारा उनके खिलाफ दर्ज निष्कर्षों के आलोक में (बर्खास्तगी की वजह मिलने के कारण) उन्हें बर्खास्त करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों मामलों में प्रबंधकों की जड़ें आईसीआईसीआई बैंक में निकलती हैं। वी कामथ के नेतृत्व में आईसीआईसीआई बैंक के दौरान बुच और कोचर की तेजी से तरक्की हुई। कामथ के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र में एक परियोजना वित्त कंपनी के लिए आक्रामक तरीके अपनाए और देखा गया कि एचडीएफसी बैंक द्वारा पछाड़ने तक एक समय देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक बन गया था । ये वो दिन थे जब कामथ और आईसीआईसीआई ने शीर्ष वैश्विक बैंक बनने की कल्पना की थी और आक्रामक व्यावसायिक तरीके अपनाकर नई ऊर्जा पैदा की, त्वरित विकास भी किया लेकिन ऐसी प्रथाएं भी लाई जो कई सवाल पैदा करने वाले थे। इसने प्रमुख बड़े अधिकारियों को करोड़पति में बदल दिया और कोचर और बुच (और कई अन्य अनाम) जैसे प्रबंधक दिए। बुच 1989 में आईसीआईसीआई बैंक में शामिल हुईं। 2006 में वे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज में शामिल हुईं और 2009 से 2011 तक उसके सीईओ के रूप में इसका नेतृत्व किया। बाद में आईसीआईसीआई बैंक और सेबी के आचरण के बारे में पूछे गए कई सवालों के बाद कंपनी को डिलिस्ट कर दिया गया। सेबी पर आईसीआईसीआई का पक्ष लेने का आरोप लगाया गया था क्योंकि नियमों का उल्लंघन करने के बावजूद उसने आईसीआईसीआई पर कार्रवाई नहीं की थी। एक अन्य कनेक्शन हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का है जो कंपनी निष्ठावान प्रबंधकों का दावा करती है। यूनिलीवर को भारत में अपनी 100 साल की विकास यात्रा के दौरान उच्च नीतिगत मूल्यों को बनाए रखने के लिए जाना जाता है। यहां दो ऐसे लोगों की कहानी है जो कोचर और बुच मामलों में शामिल हैं। जब पहली बार चंदा कोचर के खिलाफ आरोप सामने आए तब यूनिलीवर के पूर्व वाइस चेयरमैन एमके शर्मा ने उनका बचाव किया था। माधबी पुरी बुच के पति धवल बुच यूनिलीवर में कार्यकारी निदेशक बने। यूनिलीवर बेशक इन आरोपों में से किसी में भी शामिल नहीं है लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद इसके दो वरिष्ठतम लोग ऐसी स्थितियों में उलझे हुए हैं जो कम से कम निर्णय की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हैं। सामान्य तौर पर कहा जाए तो आरबीआई के विपरीत सरकार के नियंत्रण से खुद को बचाए रखने में सेबी कई तरीकों से असमर्थ रहा है। आरबीआई ने कम से कम अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने का प्रयास किया है। फिर भी दूसरों की तरह आरबीआई के प्रतिनिधि अब तक सेबी बोर्ड में चुप्पी साधे हुए हैं। सेबी और आरबीआई दोनों सांविधि ाक निकाय हैं। आरबीआई का यूआरएल ह्मड्ढद्ब.शह्म्द्द.दब्ठ्ठ हैय सेबी का यूआरएल ह्यद्गड्ढद्ब.द्दश1.दब्ठ्ठ है– एक निकाय कम से कम सरकार से अलग होने की घोषणा करता है जबकि दूसरा खुद को सरकार के एक हिस्से के रूप में सुर्खियों में रखता है या कम से कम ऐसा दिखावा करता है। और इस तरह कई किस्से छिपे रहते हैं!

भारत ने इजरायल के मुद्दे पर खुद को ब्रिक्स सदस्यों से अलग–थलग कर लिया

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारतीय विदेश नीति में क्या हो रहा है? क्या भारत 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका का एक जागीर देश बन जायेगा और देश के ब्रिक्स भागीदारों के साथ अपने सभी राजनीतिक संबंधों को समाप्त कर देगा? ऐसे कई अन्य ज्वलंत प्रश्न 18 सितंबर को तब उभरे, जब हमारे प्रधानमंत्री के 74वें जन्मदिन और प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के एक दिन बाद, भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया, जिसमें मांग की गयी थी कि इजरायल 12 महीने के भीतर बिना किसी देरी के अपने कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में अपनी अवैध उपस्थिति को समाप्त करे। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें भारत को छोड़कर अधिकांश विकासशील देशों और ब्रिक्स सदस्यों सहित 124 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि अमेरिका और इजरायल सहित 14 सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया और भारत सहित 43 सदस्यों ने मतदान में भाग नहीं लिया। खास बात यह रही कि भारत की तरह ही क्वैड के एक सदस्य जापान ने भी प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया और कहा कि

इजरायल की फिलिस्तीन में कब्जे वाली बस्तियों की गतिविधियां दो राष्ट्रों के प्रस्ताव की प्रगति को कमजोर करती हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 सितंबर को अमेरिका में चार देशों के क्वैड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह अमेरिका की उनकी तीन दिवसीय यात्रा का पहला दिन होगा। यह राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित एकमात्र शिखर सम्मेलन है, जिसमें हमारे प्रधानमंत्री बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। चार भागीदारों में से, अमेरिका जो इजरायल का संरक्षक है, ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, लेकिन जापान ने इसका समर्थन किया और दो अन्य सदस्य भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मतदान में भाग नहीं लिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया एक ही समूह में हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया पश्चिमी हितों से जुड़ा एक समृद्ध राष्ट्र है, जबकि भारत, जिसे कई वर्षों से वैश्विक दक्षिण के चौंपियन के रूप में जाना जाता है, ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है कि दुनिया का सबसे बड़ा सक्रिय लोकतंत्र भारत ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सक्रिय सदस्यों से अलग–थलग पड़ गया है। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध शुरू होने के बाद से ग्यारह महीने से अधिक समय में, गाजा क्षेत्र के विनाश की ओर ले जाने वाली शत्रुता को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर कई प्रयास किये गये हैं। मरने वालों की संख्या लगभग 40,000 हो गयी है। भारत को छोड़कर ब्रिक्स के सभी सदस्यों ने इजरायल द्वारा अत्याचारों को तुरंत समाप्त करने और फिलिस्तीन क्षेत्र पर उसके अवैध कब्जे को समाप्त करने की मांग में अग्रणी भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने आधि ाकारिक तौर पर मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपराधी घोषित करे और इजरायल से अपना कब्जा समाप्त करने को कहा जाये। ब्राजील के राष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के कदम का पूरा समर्थन किया। अंत में, आईसीजे ने इजरायल को उसके अत्याचारों को समाप्त करने के लिए अपना आदेश जारी किया लेकिन इजरायल सरकार आईसीजे के आदेश का पालन नहीं कर रही है। 18 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव इस संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। 21 सितंबर को क्वैड की बैठक होगी जिसमें चारों देशों के राष्ट्राध्यक्ष भाग लेंगे। गाजा पर इजरायल के कब्जे समेत वैश्विक मुद्दों पर भारतीय प्रधानमंत्री के विचारों पर नजर रखना दिलचस्प होगा। एससीओ की बैठक 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होनी है, जबकि ब्रिक्स की बैठक रूस में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में 22 से 24 अक्टूबर को होगी, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे।

मछली पकड़ने गया युवक नदी में डूबा

रायबरेली,(यूएनएस)। जिले में अपने दोस्तों के साथ मछली पकड़ने गए युवक की पैर फिसलने के कारण सई नदी में डूब कर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने गोताखोरों के माध्यम से युवक के शव को बरामद करने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मामला रायबरेली के सलोन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नयन गांव का है। जहां का रहने वाला युवक करन अपने दोस्तों के साथ सुबह मछली पकड़ने सई नदी के किनारे गया हुआ था। इस दौरान मछली पकड़ते समय युवक का पैर फिसल गया। जिससे वह नदी के तेज बहाव के चलते गहरे पानी में चला गया और डूबकर उसकी मौत हो गई। युवक के डूबने से गांव में हड़कंप मच गया। जिसकी सुचना तत्काल सलोन पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने गोताखोरों के माध्यम से युवक करन की खोजबीन शुरू कर दी है। फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही सीओ सलोन ने भी कई और टीमें युवक की खोज के लिए लगा दी हैं।

बंदरों के आतंक से स्कूली बच्चे परेशान,कई को काटा

रायबरेली,(यूएनएस)। जनपद में इन दिनों बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों को बंदर अपना शिकार बना रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय के कई छात्र बंदरों के काटने से घायल हो गए हैं। इस मामले की कई बार शिकायत जिला प्रशासन और वन विभाग से की गई, लेकिन बंदरों को पकड़ने में सफलता नहीं मिली। इसके चलते गांव के बच्चों ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। यह मामला बछरावां थाना क्षेत्र के तुलेंडी गांव का है। जहां पिछले कई महीनों से बंदर बच्चों को निशाना बना रहे हैं। अब तक लगभग छह बच्चे बंदरों के काटने से घायल हो चुके हैं। स्कूल के शिक्षक बताते हैं कि स्कूल में कुल 80 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन पिछले दो महीने से पूरी तरह से बच्चे स्कूल नहीं आ रहे हैं। इसका कारण है कि गांव से स्कूल तक के रास्ते में बंदरों का खतरा बना रहता है। जिससे बच्चे डर के मारे स्कूल नहीं आ पा रहे हैं। कई बार प्रशासन और वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे इस समस्या से अवगत हैं। बंदरों को पकड़ने की कोशिशें जारी है। लेकिन संसाधनों की कमी के कारण सभी बंदरों को पकड़ पाना मुश्किल हो रहा है। फिर भी वन विभाग लगातार प्रयास कर रहा है कि उत्पाती बंदरों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए।

प्राइवेट नर्सिंग होम में महिला की मौत,डीएम ऑफिस में दिया शिकायती पत्र

रायबरेली,(यूएनएस)। जिले के परशदेपुर चौकी क्षेत्र में एक प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई है, जिससे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, अनिल कुमार ने अपनी पत्नी सन्नो देवी को 14 सितंबर को प्राइवेट नर्सिंग होम ओम गंगोत्री में भर्ती कराया था। जबकि बच्चे की हालत सुरक्षित है, जच्चा की हालत गंभीर हो गई। प्रसव के दौरान सन्नो देवी की स्थिति बिगड़ने पर उन्हें लखनऊ के प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। लखनऊ के डॉक्टरों ने बताया कि यूरिन की नस कटने से उनकी हालत नाजुक हो गई थी। इस घटना के बाद, भाजपा के नेताओं ने मृतका के पति अनिल कुमार के साथ मिलकर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर को प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने मांग की कि संबंधित प्राइवेट नर्सिंग होम के संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए और मानक विहीन अस्पतालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। परिजनों का कहना है कि स्वास्थ्य प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

तीन कार सवारों ने उड़ाई 12 बकरियां, ग्रामीणों ने पुलिस से शिकायत की

रायबरेली,(यूएनएस)। जनपद के शिवगढ़ थाना क्षेत्र के सीवन गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब तीन कार सवारों ने रास्ते में बकरी चुरा ली। चोरों ने गाड़ियों में कुल 12 बकरियां लादकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव के दो बच्चे, 12 वर्षीय आरिफ और 7 वर्षीय अब्बास, पिता शेर अली के साथ बकरियां चरा रहे थे। इसी दौरान, चोरों ने हाशिम की तीन बकरियां और शेर अली की 9 बकरियां गाड़ी में भर लीं। हाशिम अली ने बताया कि एक गाड़ी बॉर्डर की दिशा से आई और बकरियां भरकर सीवन होते हुए हलोर की ओर चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। ग्रामीणों ने भी घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर इकट्ठा होकर बकरियों की तलाश शुरू की, लेकिन चोर फरार हो चुके थे। मौके पर मौजूद लोगों ने चिंता व्यक्त की और कहा, "जब दिन में ही चोर इस तरह चोरी कर जा रहे हैं, तो रात में उनकी गतिविधियां पर कौन नजर रख पाएगा?"इस घटना ने गांव में दहशत फैला दी है, और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्याप्त हो गई है। पुलिस अब रास्ते से गुजरने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि चोरों का सुराग मिल सके।

प्रिंसिपल पर अज्ञात बाइक सवारों ने किया हमला, मामले की जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

रायबरेली,(यूएनएस)। बछरावां कस्बा स्थित गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज में एक छात्र को डांट फटकार लगाना प्रधानाचार्य को महंगा पड़ गया। बताया जा रहा है कि अज्ञात बाइक सवारों ने प्रधानाचार्य को थप्पड़ों और फंटी से मारकर घायल कर दिया है। मामले में प्रिंसिपल ने थाने में तहरीर देकर मामले की जानकारी दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक स्कूल के समय एक कक्षा 11 के छात्र सचिन कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार को स्कूल के एक हाल का ताला तोड़ने के आरोप में प्रधानाचार्य ने डांट फटकार लगाई थी। जिससे आहत छात्र ने छुट्टी होने के बाद अपने अज्ञात दोस्तों के साथ प्रधानाचार्य को मारने की योजना बना डाली। प्रधानाचार्य अपनी साइकिल से गेट के बाहर जैसे ही निकले अज्ञात बाइक सवार दो युवकों ने प्रधानाचार्य के ऊपर थप्पड़ों से हमला कर दिया। तथा दूसरे ने एक लकड़ी की फंटी भी मार दी। प्रधानाचार्य साइकिल से नीचे गिर गए। और बाइक सवार मौके से फरार हो गए। जानकारी होते ही विद्यालय स्टाफ के द्वारा थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी गई। तथा पुलिस के द्वारा प्रधानाचार्य का मेडिकल आदि करवा कर अज्ञात बाइक सवारों की सीसीटीवी कैमरे की मदद से पहचान की जा रही है। और मामले की जांच पड़ताल चल रही है।

पुलिस ने 24 घंटे में दबोचे 8 गैंगस्टर,बीट पुलिसिंग को मिली नई धार, पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

प्रतापगढ़,(यूएनएस)। योगी सरकार की अपराध मुक्त प्रदेश बनाने की दिशा में प्रतापगढ़ पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक की बीट प्रणाली के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं, जिसमें बीट सिपाहियों ने 24 घंटे के भीतर साहस का परिचय देते हुए 8 गैंगस्टर वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने जिले में अपराध को जड़ से खत्म करने और जनता को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए बीट पुलिसिंग को पुनः सक्रिय किया है। बीट सिपाही अपने–अपने क्षेत्रों में हर छोटी–बड़ी वारदात पर पैनी नजर रख रहे हैं। ऐसे में कुछ अपराधी अपनी दहशत कायम करना चाह रहे थे, जिन्हें बीट सिपाहियों ने धर दबोचा है।गिरफ्तारी में शामिल प्रमुख सिपाहियों में शामिल हैं–बीट आरक्षी श्याम सुन्दर नगर कोतवालीरू गैंगस्टर शहबान,अंतू थाने के आरक्षी नगेन्द्र यादवरू गैंगस्टर अभय सिंह उर्फ अभी,रानीगंज थाने के आरक्षी अरविंद सोनीरू शिवचरण विश्वकर्मा उर्फ पप्पूअन्य आरक्षी भी विभिन्न गैंगस्टरों को पकड़ने में सफल रहे हैं।अपराधियों की धरपकड़ में सक्रिय बीट सिपाहियों को शनिवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने अपने कार्यालय बुलाकर सम्मानित किया।

करीना कपूर की ये क्राइम थ्रिलर फिल्में OTT पर हैं मौजूद, सस्पेंस देख आ जाएगा मजा

करीना कपूर खान को फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। अपने करियर में करीना कपूर खान ने रोमांटिक से लेकर कई क्राइम थ्रिलर फिल्मों में काम किया। आज हम आपको करीना कपूर की बेस्ट क्राइम थ्रिलर फिल्मों के बारे में बता रहे हैं।

सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन

सिद्धार्थनगर,(यूएनएस)। जिले में शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील डुमरियागंज में जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील डुमरियागंज में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0, उपजिलाधिकारी डुमरियागंज संजीव दीक्षित तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा किया गया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबंधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस डुमरियागंज में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 165 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व–80, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–25, विकास–18, अन्य–42 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा राजस्व के 09, पुलिस–01, विकास–01 व अन्य विभाग के 01 कुल 12 प्रार्थना–पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, उपकृषि निदेशक अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल, डीपीआरओ पवन कुमार, डीएसओ देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय, तहसीलदार डुमरियागंज, तहसील डुमरियागंज क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील डुमरियागंज पर डीएम व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा जनसुनवाई किया गया

सिद्धार्थनगर,(यूएनएस)। शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील डुमरियागंज में जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील डुमरियागंज में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0, उपजिलाधिकारी डुमरियागंज संजीव दीक्षित तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह द्वारा किया गया। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबंधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस डुमरियागंज में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 165 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व–80, पुलिस विभाग से सम्बन्धित–25, विकास–18, अन्य–42 प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा राजस्व के 09, पुलिस–01, विकास–01 व अन्य विभाग के 01 कुल 12 प्रार्थना–पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत–प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

कभी भी अबूधाबी में शहजादी को हो सकती है फांसी,मां–बाप बचाने के लिए कर रहे अपील

बांदा बांदा की शहजादी को अब किसी भी दिन अबू धाबी में फांसी दी जा सकती है। दुबई में एक परिवार ने शहजादी पर अपने बच्चे की मौत का आरोप लगाया था। आरोप है कि उसे हत्या के जुर्म में फंसा दिया गया। दुबई की अदालत ने शहजादी को फांसी की सजा सुनाई है। इसके बाद से शहजादी के माता–पिता लगातार अपनी बेटी की जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अब किसी भी दिन शहजादी को फांसी दी जा सकती है। शहजादी के पिता ने बताया कि आखिरी बार उनकी बेटी से 17 तारीख को फोन पर बात हुई थी। शहजादी, मटौंध थाना क्षेत्र के ग्योरा मुलगी गांव की रहने वाली है। फेसबुक के जरिए आगरा के रहने वाले उज्जैन नाम के लड़के ने उसे प्रेम जाल में फंसाया। साल 2021 में प्लास्टिक सर्जरी के लिए दुबई भेज दिया। दुबई में जिस परिवार के पास वह रह रही थी, उनके बच्चे की टीके वाले इंजेक्शन की वजह से मौत हो गई। बच्चे की मौत के करीब दो महीने बाद उसके माता–पिता ने शहजादी पर अपने बच्चे की हत्या का आरोप लगाया और उसे दोषी ठहराया गया। दुबई की अदालत ने शहजादी को फांसी की सजा सुनाई है। शहजादी के माता–पिता का कहना है कि 17 तारीख को उनकी बेटी से आखिरी बार बात हुई थी। अब किसी भी दिन उसको फांसी हो सकती है। वे लगातार अपनी बेटी की जान बचाने की गुहार लगा रहे हैं।

कच्ची दीवार गिरने से किशोरी मलबे में दबी

बांदा जनपद के बबेरू तहसील क्षेत्र स्थित बाकल गांव में एक कच्ची दीवार गिरने से 15 वर्षीय किशोरी प्रांशी देवी मलबे में दब गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तत्परता से किशोरी को मलबे से बाहर निकाला और उसे बबेरू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के अनुसार, प्रांशी देवी पुत्री धर्मराज सब्जी तोड़ने के लिए पड़ोसी घर में गई थी, तभी अचानक कच्ची दीवार उसके ऊपर गिर गई। ग्रामीणों ने जब यह देखा, तो तुरंत किशोरी के परिजनों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर प्रांशी को मलबे से बाहर निकाला और निजी साधन से बबेरू सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर अमित ने बताया कि किशोरी घायल अवस्था में आई थी, जिसके प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से घटना की जानकारी ली जा रही है।

बीडीसी मर्डर केस,दियरा घाट पर अंतिम संस्कार, बदमाशों ने बेटे को इंस्टाग्राम पर दी निपटाने की धमकी

सुलतानपुर,(यूएनएस)। जनपद के मोतिगरपुर स्थित मुड़हा निवासी बीडीसी अवधेश सिंह का शनिवार को दियरा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों ने सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस समेत कई मांग रखा, जिसे पूरा किए जाने का आश्वासन मिला है। नामजद 6 आरोपियों में से पांच पुलिस की हिरासत में हैं। इस बीच बुलंद हौसला बदमाशों ने मृतक के बेटे को इंस्टाग्राम पर दस दिनों में निपटाए जाने की धमकी दे डाला है। इसको लेकर एक शिकायत पुलिस में की गई है। बीडीसी अवधेश सिंह गुरुवार को दीवानी न्यायालय से पेशी के बाद भतीजे के साथ घर लौट रहे थे। जब वो गोपालपुर के पास पेट्रोल पम्प के निकट पहुंचे तो उन पर बदमाशों ने लाठी–डंडे और सरिया से हमला बोल दिया। घायल अवस्था में उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां से डॉक्टर ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। रात करीब दो बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना घर पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। शुक्रवार को परिजनों और पुलिस में जमकर नोक झोंक हुई, सभी पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। रात को पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचा तो गांव में मातम फैल गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में लगाया गया था। बताया जा रहा है कि मृतक के घर से एक किमी की दूरी पर उनका पाल्टी फॉर्म है, जहां बीती रात मृतक के भाई का बेटा अमन सिंह व उसके मामा का लड़का अंकुर सिंह रात को सोने गए थे। जहां रात करीब 11रू30 बजे लाठी डंडे से लैस आधा दर्जन लोग रेकी करने पहुंचे। धमकी दी। किसी सूरत भागकर दोनों घर पहुंचे। वहां मौजूद पुलिस जब मौके पर गए तो बदमाश भाग निकले थे। उधर मृतक बीडीसी के पुत्र निखिल सिंह ऊर्फ शिवम के इंस्टाग्राम पर दो फर्जी आईडी से धमकी दी गई है। कहा गया है पिता को निपटा दिया गया अब 10 दिनों के अंदर तुम्हारा नंबर है। धमकी मिलने के बाद से परिवार में दहशत का माहौल है। हालांकि शव का पुलिस की देख रेख में दियरा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया है। सीओ जयसिंहपुर प्रशांत सिंह ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर विपिन सिंह, रिशू सिंह, प्रिंस सिंह, रिषभ सिंह, अमन सिंह निवासीगण मुड़हा और अर्जुन सिंह ग्राम घूरीपुर कादीपुर के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। इनमें से पांच पुलिस हिरासत में हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सुनी गई जनता की समस्याएं किया गया निस्तारण

सीतापुर,(यूएनएस)। जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील बिसवां में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक डा0 प्रवीन रंजन सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक–एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को आवंटित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई है उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों एवं बैंकों के स्टाल लगाये गये, जिसमें लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी दी गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 हरपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र प्रजापति, क्षेत्राधिकारी बिसवां सतीश चन्द्र शुक्ला, तहसीलदार बिसवां उमा शंकर त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील बिसवां में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 140 शिकायतों में से 17 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार से जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील लहरपुर में प्राप्त 40 प्रार्थना पत्रों में से 03, तहसील महमूदाबाद में प्राप्त 84 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील सिधौली में प्राप्त 53 प्रार्थना पत्रों में से 06, तहसील सदर में प्राप्त 16 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील मिश्रिख में प्राप्त 40 प्रार्थना पत्रों में से 05, तहसील महोली में प्राप्त 52 प्रार्थना–पत्रों में से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

राम मंदिर में अभी दर्शन नहीं करेंगे जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

अयोध्या,(यूएनएस)। गोध्वज यात्रा की रामनगरी से शुरुआत करने के लिए उत्तराखंड के जोशीमठ स्थित ज्योतिर्मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शनिवार को अयोध्या पहुंचे। जानकी घाट क्षेत्र स्थित चारु शिला मंदिर के राम हर्षण भवन में मंत्र उच्चारण के बीच शिष्यों ने उनका स्वागत किया गया। शाम को हनुमान गढ़ी पर दर्शन करने के बाद सरयू आरती में भी शामिल हुए। वह रविवार को क्षीरेश्वर नाथ मंदिर में पूजन कर राम मंदिर परिसर के शास्त्रीय सीमा रामकोट की परिक्रमा कर गोध्वज यात्रा को सफल बनाने के लिए रामलला से कामना करेंगे, लेकिन वह राम मंदिर में दर्शन करने के लिए नहीं जाएंगे। उनका मानना है कि पूर्व में ही इसकी जानकारी दे चुके हैं कि राम मंदिर का शिखर बनने के बाद ही मंदिर में प्रवेश करेंगे। अयोध्या धाम में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सवाल किया कि सरकार धर्म के काम क्यों कर रही है, धर्म के काम धर्माचार्यों को सौंपे। अयोध्या के धर्माचार्यों से अनुरोध है कि सब एकत्र हो जाएं। सरकार के हाथ से मंदिरों को छुड़ा धर्माचार्य अपने हाथों में लें, ताकि जो धार्मिक व्यवस्था है वह सुव्यवस्थित हो सके, जिससे सनातनी जनता ठगी न जाए। बताया कि रविवार को गोध्वज की स्थापना की जाएगी। कहा कि तिरुपति के लड्डू अयोध्या आए थे। यहां से लाखों लोगों को पहुंचाया गया। एक लड्डू जब प्रसाद का किसी के पास जाता है तो लोग उसमें से थोड़े–थोड़े टुकड़े–टुकड़े प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। जाने कितने लाख मुख में गए होंगे।इन सबमें पाप बोध आ गया है। सनातनी जनता के सामने समस्या उत्पन्न हो गई है। उनको लग रहा है कि उनकी पवित्रता खंडित हो गई है। वे हमसे पूछ रहे हैं कि हम क्या करें। धर्म शास्त्रों के माध्यम से हमने उनसे कहा है कि बल व छल पूर्वक कोई कुछ करवा ले तो पश्चाताप न करो। पंचगव्य का प्राशन हिंदू कर ले तो वे पवित्र हो जाएंगे, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि किसने और किस कारण से यह किया है।

व्यापारियों और पुलिस पेंशनर्स के साथ बैठक,एएसपी ने यातायात व्यवस्था को सुधारने का दिया आश्वासन

बांदा बांदा पुलिस लाइन सभागार में एएसपी ने व्यापारियों और पुलिस पेंशनर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। व्यापारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए, एएसपी ने कहा कि पुलिस विभाग शहर क्षेत्र, विशेषकर मुख्य बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रयासरत है। एसपी शिवाज ने व्यापारियों से कहा कि पुलिस वन वे लागू करने की दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे सड़कों पर अतिक्रमण न करें क्योंकि इससे यातायात की समस्या बढ़ती है। अतिक्रमण हटाने में विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं पर भी चर्चा की गई। एसपी ने उन्हें निर्देश दिया कि वे अपने अनुभव और ज्ञान का उपयोग करके कानून व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यूपी–112 के तहत वरिष्ठ नागरिकों के हित में चलाई जा रही सवेरा योजना की जानकारी भी पेंशनर्स को दी गई, ताकि वे इससे लाभ उठा सकें। इस बैठक के माध्यम से, एसपी ने व्यापारियों और पुलिस पेंशनर्स के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया, ताकि स्थानीय समस्याओं का समाधान किया जा सके।

नाले में डूबकर किसान की मौत,जानवरों को चराने गया था, परिजनों में शोक की लहर

बांदा जिले के बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत साथी गांव के मटियारा नाले में एक किसान की डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने नाले से निकालकर सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बता दें कि बबेरू कोतवाली क्षेत्र के साथी गांव के रहने वाले रामबाबू पटेल (50) पुत्र चंद्रभूषण पटेल अपने जानवरों को चराने के लिए खेतों की तरफ गया हुआ था। तभी मटियारा नाले में पैर फिसलने से डूब गया, जब काफी देर तक घर नहीं पहुंचा तो परिजन खोजते–खोजते मटियारा नाले के पास पहुंचे। जहां पर रामबाबू की चप्पल पड़ी हुई थी, तभी वहीं पर खोजबीन करने लगे, काफी देर के बाद मटियारा नाले पर रामबाबू डूबा हुआ मिला। जिसको परिजनों के द्वारा तुरंत निकाल कर निजी साधन से सीएचसी बबेरू पहुंचाया। जहां पर डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर मृतक का पुत्र रमाकांत ,शिवाकांत व पत्नी शोभा देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक मृतक रामबाबू 8 बीघे खेती का काश्तकार था।

बीडीसी मर्डर केस,दियरा घाट पर अंतिम संस्कार, बदमाशों ने बेटे को इंस्टाग्राम पर दी निपटाने की धमकी

सुलतानपुर,(यूएनएस)। जनपद के मोतिगरपुर स्थित मुड़हा निवासी बीडीसी अवधेश सिंह का शनिवार को दियरा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों ने सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस समेत कई मांग रखा, जिसे पूरा किए जाने का आश्वासन मिला है। नामजद 6 आरोपियों में से पांच पुलिस की हिरासत में हैं। इस बीच बुलंद हौसला बदमाशों ने मृतक के बेटे को इंस्टाग्राम पर दस दिनों में निपटाए जाने की धमकी दे डाला है। इसको लेकर एक शिकायत पुलिस में की गई है। बीडीसी अवधेश सिंह गुरुवार को दीवानी न्यायालय से पेशी के बाद भतीजे के साथ घर लौट रहे थे।

विश्वविद्यालय के कुछ महत्वपूर्ण प्रगति के

प्रयागराज। विश्वविद्यालय के पिछले 5 वर्षों में 65 पेटेंट रजिस्टर हुए हैं जिसमें से 20 से अधिक पिछले वर्ष हुए हैं इसके अलावा 5000 से ज्यादा रिसर्च पेपर शोध जर्नल में छपे हैं और 1500 से ज्यादा बुक चौप्टर छपे हैं विश्वविद्यालय को पिछले 5 वर्षों में करीब 100 करोड़ की प्रोजेक्ट मिले हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय के 19 शिक्षकों को स्कोपस द्वारा जारी लिस्ट में विश्व के टॉप 2 : साइंटिस्ट में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त छात्रों की सुविधा के लिए एक छात्र महिला छात्रावास, एक पुरुष छात्रावास और अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के अलावा हिंदू छात्रावास में भी इस वर्ष प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय में छात्राओं की सुविधा के लिए दो बस संचालन की सुविधा प्रदान की गई है। संरचनात्मक रूप से विस्तार के लिए केमिस्ट्री डिपार्टमेंट की इमारत लेक्चर थियेटर कंपलेक्स शीघ्र ही तैयार हो जाएंगे और कला संकाय में लाइब्रेरी की एक्सटेंशन बिल्डिंग भी अंतिम चरण में है। इसके अलावा एक विशाल 2000 सीट का ऑडिटोरियम भी निर्माण अधीन है। सभी विभागों में मरम्मत, रखरखाव तथा पुताई के कार्य वृहत स्तर पर किये जा रहे हैं। शिक्षकों के आवास की सुविधा को बढ़ाते हुए बेली कॉलोनी में नए आवास बनाए गए तथा आवंटन किया गया। विश्वविद्यालय को फ" रैंकिंग और इंडिया टुडे टॉप पब्लिक यूनिवर्सिटी रैंकिंग में स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग में मैनेजमेंट और बीटेक कैटेगरी में रैंकिंग प्राप्त कर अपनी जगह अपनी जगह बनाई है। 33 विभागों में 353 शिक्षकों तथा 375 गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति से मानव संसाधन की कमी काफी हद तक पूरी की है।

विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा तथा भारतीय खेलों को बढ़ावा मिले– संगीता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पिछले 4 वर्षों में 33 विभागों में 352 शिक्षकों की नियुक्ति, संरचनात्मक सुविधाओं तथा बढ़ती हुई अकादमी प्रतिष्ठा सहित हुई तमाम प्रगति हुई है। उक्त बातें इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति संगीता श्रीवास्तव ने स्थापना दिवस संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इसी को आगे ले जाते हुए अब यह हमारी प्राथमिकता है कि हम इस प्रगति का फायदा अपने छात्रों को पहुंचा सकें। हमें विश्वास है की उच्च स्तर का शोध विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के साथ–साथ राष्ट्र निर्माण में इसके महत्वपूर्ण योगदान की परंपरा को आगे ले जाएगा। शिक्षकों की नियुक्ति का असर विश्वविद्यालय में हो रही तमाम अकादमी गतिविधियों और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रयासों में दिखने लगा है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शोध पत्र लब्ध प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में लगातार निकल रहे हैं और अनेक शिक्षकों को शोध के लिए प्रोजेक्ट ग्रांट मिल रही हैं। लगातार बढ़ते शोध से विश्वविद्यालय के पूरे माहौल में एक स्वस्थ अकादमिक परंपरा स्वरूप ले रही है और यह भविष्य के लिए एक सुखद संकेत है। हमारा प्रयास है कि विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा तथा भारतीय खेलों को बढ़ावा मिले। विश्वविद्यालय में हाल ही में जारी हुई रैंकिंग्स में मैनेजमेंट और बीटेक की कैटेगरी में स्थान प्राप्त करते हुए उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्वविद्यालय की नेक ग्रीटिंग की भी प्रक्रिया चल रही है और हमें विश्वास है कि हम ॒। की सर्वोच्च ग्रेडिंग प्राप्त करेंगे और आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय की ग्रेडिंग और रेटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन होगा। मेरी विश्वविद्यालय के 138 में स्थापना दिवस की विश्वविद्यालय के पूरे परिवार को और साथ ही विश्वविद्यालय से बहुत गहराई से जुड़े हुए हमारे सभी नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के

निर्देश पर बाढ़ पीड़ितों की मदद में उतरे समाजवादी पार्टी ने राहत सामग्री के रूप में आटा चावल, दाल आदि राशन सामग्री का पैकेट बांटकर मदद की। दारागंज परेड में जी टी रोड पुल के नीचे किसी तरह से जीवन यापन कर रहे पीड़ितों को राहत के रूप में राशन सामग्री वितरित किया। गंगा नदी में आई बाढ़ के चलते उसके किनारे झोपड़ी लगाकर गुजर बसर कर रहे सैकड़ों परिवार बेघर हो चुके हैं और अब पुल के नीचे कपड़े का पर्दा बनाकर आसियाना बनाये हुए हैं।सपा एमएलसी ने बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में साफ सफाई, दवाओं के छिड़काव, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, राहत सामग्री के वितरण जैसे कार्यों में प्रशासन की ओर से ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। कहा कि पूरे प्रदेश मे नदियों के किनारे रह रहे लोग बाढ़ से प्रभावित हैं मगर प्रदेश सरकार राहत कार्यों में तेजी लाने के लिये कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाई। एमएलसी डॉ.मानसिंह यादव, मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर, राजू पासी, आर एन यादव, सचिन श्रीवास्तव, प्रशांत यादव, सुरेश यादव रहे।

तेईस सितम्बर को मोदी के जन्मदिवस पर स्वास्थ्य सेवा शिविर।

प्रयागराज। तेईस सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत महापौर गणेश केसरवानी के सयोंजन में सभी सौ वार्डों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर के साथ–साथ भाजपा सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर गणेश केसरवानी दोपहर बारह बजे कृष्णा नगर वार्ड तीस में कोहराना कीडगंज में लगे स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करेंगे।

प्राचीन सिक्कों के जरिए गुप्त काल पर होगा रिसर्च

प्रयागराज। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में गुप्त काल के इतिहास पर शोध ा करने के लिए एक शोधपीठ (चेयर) स्थापित होगी। पिछले दिनों प्रसिद्ध इतिहासकार एवं न्यूमिस्मेटिक विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार ने कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव से इस संबंध में सहयोग मांगा था, इसके बाद कुलपति ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। प्रो. संजीव कुमार ने गुप्त काल के सिक्कों और उससे जुड़े इतिहास पर शोध किया है। प्राचीन सिक्कों की मदद से गुप्त काल को समझेंगे प्रो. संजीव ने बताया कि सिक्कों पर लिखी हुई तारीखों और अन्य विवरण से न सिर्फ गुप्त काल को बेहतर समझने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही इतिहास के इस अत्यंत महत्वपूर्ण काल से संपूर्ण भारतीय इतिहास को एक नए तरीके से समझने में मदद मिलेगी। सिक्कों से पता चलता है कि प्रयागराज, कौशांबी और उसके आस पास का क्षेत्र गुप्त काल की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मौत को भी महोत्सव बना देती है श्रीमद् भागवत कथा: बटुक जी

प्रयागराज। श्रीप्राचीन दधिकान्दो मेला कमेटी कृष्णा नगर त्रिवेणी मार्ग के द्वारा ज्ञान पुस्तकालय कीडगंज में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर कथा का रसपान कराते हुए पूज्य बटुक जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत मृत्यु को मंगलमय बनाने वाला अलौकिक ग्रंथ है जो मृत्यु को भी महोत्सव बना देता है एवं मानव जीवन के एकमात्र लक्ष्य भगवत प्राप्ति का सहज साधन है और कहा कि आचार्य शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को भागवत कथा का श्रवण कराकर उनकी अकाल मृत्यु की भय को समाप्त कर दिया। कथा में व्यास जी के द्वारा देवहूति ,कपिल संवाद, सती चरित्र, ध्रुव एवं जड़ भरत चरित्र की कथा का व्याख्यान किया गया। महापौर गणेश केसरवानी, पदुम जायसवाल, पण्डित राम वैध, मनीष केसरवानी, कृष्णा साहू राजेश केसरवानी, अजय जायसवाल लल्लन जायसवाल अमरेश जायसवाल,विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, पार्षद मुकेश लारा, पार्षद रीतेश मिश्रा, अधिवक्ता शुभम वैध, प्रियम वैध, हिमालय सोनकर ने कथा का श्रवण किया।

अरैल में स्थापित होंगे ब्रह्मा जी, वाल्मीकि जी लोगों को देखने का केंद्र बिंदु बनेगा– महापौर

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कुंभ योजना के अंतर्गत नैनी अरैल रोड पर बन रहे विशाल ब्रह्मा जी, एवं वाल्मीकि जी की प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया एवं उच्च आधिकारियों से वार्तालाप कर शीघ्र कार्य तय समय पर पूर्ण हो या निर्देश दिया। महापौर ने कहा प्रयागराज के प्राचीन संस्कृति धरोहर को आगे बढ़ाते हुए ब्रह्मा जी एवं वाल्मीकि जी की प्रतिमा प्रयागराज की संस्कृति का केंद्र बिंदु बनेगा, जिसे महाकुंभ मेले में आने वाले तीर्थ यात्रियों को प्रयागराज के सांस्कृतिक विरासत का अध्ययन होगा महापौर ने बताया यह विशाल प्रतिमा महाकुंभ मेले से पहले शीघ्र तैयार हो जाएगा जिसके प्रतिमा के आसपास लोगों को बैठने की उत्तम व्यवस्था एवं सायं को लाइटिंग साउंड से मनमोहक दृश्य रहेगा महापौर ने यह भी बताया 2.24 लाख की लागत से ब्रह्मा जी की विशाल प्रतिमा एवं 2.67 लाख की लागत से वाल्मीकि जी की विशाल प्रतिमा बनेंगी। महापौर ने यह भी जानकारी दी नैनी लेप्रोसी चौराहा से अरैल जाने वाले मार्ग पर विशाल वाल्मीकि जी की प्रतिमा एवं अरैल रोड शिवालय पार्क के समीप विशाल ब्रह्मा जी की प्रतिमा स्थापित होगी। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के मुख्य अभियंता श्री सतीश कुमार जी जेई आर के मिश्रा जी, श्री राजन शुक्ला जी, पाषर्दगढ़ मुकेश कसेरा जी, श्री रणविजय सिंह डब्बू जी, मयंक यादव जी, संजय कुमार जी बलराज पटेल जी, ओम प्रकाश मिश्रा जी, राम लखन विश्वकर्मा जी आदि सीएनडीएस के आधिकारी उपस्थित रहे। लंबाई 30 फीट चौड़ाई 20 फीट

संग्रहालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में आज 22 सितंबर 2024 को श 2047 के दृष्टिगत संग्रहालयरू भारतीय संग्रहालयों का विशेष संदर्भ श विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति अरुण टंडन और अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष मध यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। इसके पूर्व आयोजित पैनल डिस्कशन में प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी, गुलशन खरबंदा, दानिश महमूद, डॉ पंकज शर्मा, कैप्टन प्राणरंजन प्रसाद, डॉ अमित सोनी, दानिश महमूद, राजेश प्रसाद व डॉ राजेश मिश्र ने प्रतिभाग किया और 2047 के दृष्टिगत होने वाले तकनीकी परिवर्तन पर सार्थक वार्ता की। जिसमें विद्वान वक्ताओं ने इलाहाबाद संग्रहालय में शहर के इतिहास को समर्पित एक विशेष वीथिका बनाने तथा तथा पुरातत्व व संस्कृति में शोथ हेतु विशेष शोध टीम बनाने का सुझाव दिया। स्वागत वक्तव्य में निदेशक राजेश प्रसाद ने मुख्य अतिथि, सभाध्यक्ष सहित सभी उपस्थित विद्वत जनों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी से प्राप्त लक्ष्य 2047 से मुख्य अतिथि को अवगत कराया। डॉ संजू मिश्रा ने संगोष्ठी का सार प्रस्तुत किया। न्यायमूर्ति अरुण टंडन ने संग्रहालय के विषय में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि संग्रहालय को अधिकाधिक जन सुलभ बनाया जाना चाहिए। अध यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी ने सुंदर आयोजन के लिए संग्रहालय को बधाई दी और अकादमिक सक्रियता की सराहना की। समापन के पश्चात सभी प्रतिभागियों श्रृंगवेरपुर पुरास्थल का भ्रमण कराया गया।

विश्व अल्जाइमर दिवस 2024: डिमेंशिया पर एनसीआर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। एनसीआर स्थित केंद्रीय अस्पताल में विश्व अल्जाइमर दिवस 2024 के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि और मुख्य सम्माननीय अतिथि डॉ. एस.पी. शर्मा (ब्डैध्प्रयागराज) की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में डॉ. कल्पना मिश्रा (।ब्म्क्ध प्रशासन) की उपस्थिति भी बेहद महत्वपूर्ण रही, जिनके योगदान और उपस्थिति के प्रति अस्पताल और सभी उपस्थित लोगों ने गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। इस वर्ष की थीम, षडिमेंशिया पर कार्य करने का समय, अल्जाइमर पर कार्य करने का समयष के तहत अल्जाइमर रोगियों के प्रति संवेदनशीलता और देखभालकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। डॉ. मृत्युंजय कुमार ने अल्जाइमर रोग के महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा

करते हुए बताया कि यह एक प्रगतिशील न्यूरोडिजेनेरेटिव बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क के हिप्पोकैम्पस, जो स्मृति और स्थानिक जागरूकता से जुड़ा होता है, सबसे पहले क्षतिग्रस्त होता है। जैसे–जैसे बीमारी बढ़ती है, मस्तिष्क के अन्य हिस्से भी प्रभावित होते हैं, जिससे रोगी की दैनिक जीवन की गतिविधियों में स्वतंत्रता कम होती जाती है। प्रारंभिक लक्षणों में साधारण भूलने की घटनाएं शामिल होती हैं, जो समय के साथ अधिक गंभीर हो जाती हैं, और रोगी की भाषा, ध्यान, और समस्या–समाधान क्षमता भी प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अल्जाइमर का कोई स्थायी इलाज उपलब्ध नहीं है। हालांकि, डोनेपेजिल, रिवास्टिग्माइन और मेमन्टाइन जैसी दवाओं के माध्यम से लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। ये दवाएं न्यूरोट्रांसमीटर असंतुलन को सुधारने में मदद करती हैं, हालांकि ये रोग की प्रगति को रोकने में पूरी तरह सक्षम नहीं हैं। रोकथाम के संदर्भ में, डॉ. कुमार ने मस्तिष्क की सक्रियता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। पहेलियाँ हल करना, संगीत सुनना, और योग जैसी गतिविधियाँ मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी को बनाए रखने में सहायक हो सकती हैं। सामाजिक संपर्क और मानसिक रूप से उत्तेजक गतिविधियाँ भी रोग की प्रगति को धीमा करने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने बायोमार्कर्स, जैसे च्म्ज स्कैन और सीएसएफ विश्लेषण, के उपयोग से अल्जाइमर के प्रारंभिक निदान की क्षमता पर चर्चा की। साथ ही, जीन आधारित परीक्षण, जैसे ।च्व्म्–म4, से जोखिम का पूर्वानुमान संभव है। भविष्य में जीनोम एडिटिंग (ब्त्प्ैच्त्) और इम्यूनोथेरपी जैसे उन्नत उपचार विकल्पों से इस बीमारी के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद जताई गई। इसके बाद डॉ. कल्पना मिश्रा (।ब्म्क्ध्प्रशासन) ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखभालकर्ताओं के मानसिक और सामाजिक समर्थन की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस रोग से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल में देखभालकर्ताओं का समर्पण अत्यंत आवश्यक है और समाज को उनके समर्थन में कार्य करना चाहिए। डॉ. रोहित कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित थे, जिन्होंने देखभालकर्ताओं के समर्पण को प्रेरणादायक बताया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य फार्मासिस्ट राज कुमार, मुख्य नर्सिंग अधीक्षिकाएं मोडेस्टा सीता और सुमंती, तथा स्वास्थ्य शिक्षक श्रवण का विशेष योगदान रहा। उनके सामूहिक प्रयासों से यह कार्यक्रम न केवल अल्जाइमर रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश का प्रसार भी किया गया।

एनसीआर मुख्यालय में बच्चों ने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया

ड्राईंग एवं पेन्टिंग में बच्चों ने दिखया हुनर, उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन ने बांटे गिफ्ट

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से ड्राईंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता कराई गई। रेलवे अधिकारी क्लब सूबेदारगंज में आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह से

हिस्सा लिया। मुख्यालय में कार्यरत अराजपत्रित कर्मचारियों के बच्चों एक से बढ़कर एक पेंटिंग बनाई। प्रतियोगिता तीन ग्रुप में कराई गई। प्रथम ग्रुप (6 से 9 वर्ष) के बच्चों के लिए टॉपिक– मेरी प्यारी मांऔर पापा या आदरणीय महोदया, मेरी कक्षा अध्यापिका, द्वितीय ग्रुप (9 से 12 वर्ष) के बच्चों के लिए टॉपिक– खेल गतिविधियां– क्रिकेट, टेनिस, फुटबॉल, अपनी पसंद का कोई भी खेल (एक चुनें) या रेल यात्रा पर के बारे में बताने को कहा गया। इसी प्रकार तृतीय ग्रुप (12 से 15 वर्ष) के बच्चों के लिए टॉपिक– 10 साल बाद भारत का विजन या वर्तमान सोशल मीडिया युग में एक परिवार का दृश्य दिया गया था। यह प्रतियोगिता चेतना जोशी अध्यक्ष के दिशा–निर्देश में हुई। सचिव ऋचा वर्मा, राखी जैन, चारू गुप्ता, साधना कुमार, अलका अग्रवाल, नीलम कुमार एवं वसुधा गुप्ता द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को गिफ्ट और प्रमाण पत्र दिए गए।

नवरात्र में बंद कराई जाए मांस-मदिरा की दुकानें

प्रयागराज के शिवसेना कार्यकर्ताओं ने सीएम योगी को भी पत्र, कहा–मंदिर के बगल न लगे ये दुकानें

प्रयागराज। तीन अक्टूबर से नवरात्र शुरू हो रहा है। इसके पहले शिवसेना के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र भेजा है। शिवसैनिकों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि नवरात्र के पवित्र दिनों में मंदिरों के आसपास समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर लगी मांस मदिरा की दुकानों को पूरी तरह से बंद कराने का आदेश जारी किया जाए। प्रदेश सचिव रूचि अभिषेक तिवारी की अगुवाई में इस संबंध में मेजा एसडीएम और एसीपी को भी ज्ञापन सौंपा गया है। रूचि तिवारी ने बताया कि नवरात्र में चारों तरफ दुर्गा पूजा पंडाल लगते हैं जिसमें

मां दुर्गा समेत 9 देवियां विराजमान होती हैं। चारों तरफ पूजा पाठ व आरती होती रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए मंदिरों के आसपास से व दुर्गापूजा पंडालों के आसपास जितनी भी मांस व शराब की दुकानें हैं पूरी तरह से बंद कराई जाए। इस दौरान दुर्गेश तिवारी, तुलसी दास तिवारी, चन्द्रमा शुक्ला, मंत्री राजू शुक्ला, पूर्व मंत्री राम मिलन तिवारी, अतुल तिवारी, चंदन, अधिवक्ता सत्य आकाश, शिवकांत, हेमंत, रमेश, शशिकांत, अयोध्या प्रसाद, विशाल कुमार, अमन कुमार, रामबाबू, अर्जुन कुमार, हीरामन, सोनू सेठ, जिला प्रमुख शशिकांत भारतीय, जिला प्रमुख युवा सेना सुरेश कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष, रोहन तिवारी, जिला मंत्री अमित मिश्रा, जिला मंत्री अजय सिंह, जिला मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश सिंह आदि रहे।

प्रयागराज में पेट्रोल डालकर दुकान जलाई

सीसीटीवी में आग लगाते युवक कैद, पुलिस बोली–रंजिश में दिया वारदात को अंजाम

प्रयागराज। प्रयागराज में एक प्लाईवुड व हार्डवेयर की दुकान में पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की गई। दुकान के मालिक पवन कुमार शर्मा ने शनिवार देर शाम नैनी कोतवाली में सीसीटीवी फुटेज के साथ शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फुटेज के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। भुक्तभोगी ने इस घटना में राजेंद्र प्रसाद उर्फ बच्चा लाल को नामजद आरोपी बनाया है। नैनी के चक रघुनाथ पंजाबी हाता निवासी पवन कुमार शर्मा की दुकान, विश्वकर्मा प्लाईवुड एंड हार्डवेयर, कई सालों से मेवा लाल बगिया चौराहे के पास चल रही है। पवन के अनुसार, शनिवार शाम करीब 5 बजे, एक व्यक्ति ने प्लास्टिक के पाइप के जरिए दुकान के शटर के नीचे से पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि, आग ज्यादा नहीं फैल पाई, जिससे बड़े नुकसान से बचा जा सका। लेकिन पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में आग लगाने की कोशिश करता हुआ।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062